STANDARD 10 HINDI STUDY NOTES BASED ON LINE CLASSES

# STD 10 EPISODE 20 DATE : 27-09-2021

## पाठ का नाम : ठाकुर का कुआँ |

### निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें |

1) ठाकुर के दरवाज़े पर कौन- कौन जमा हुए थे ?

उत्तर : ठाकुर के दरवाजे पर दस- पाँच बेफिक्रे जमा हुए थे |

2) बेफिक्रे किसके बारे में कह रहे थे?

उत्तर : मैदानी बहादुरी का तो अब न जमाना रहा है न मौका | कानूनी बहादुरी की बातें हो रही थी ।

3) ठाकुर जैसे लोगों की कानूनी बहादुरी क्या क्या है ?

उत्तर : रिश्वत देना, नियम तोड़ना आदि |

4) मैदानी बहादुरी का तो अब न जमाना रहा है न मौका | - इसका मतलब क्या है?

उत्तर : पहले शारीरिक शक्ति के बल पर समाज के ऊँचे लोग अपना कार्य किया करते थे । लेकिन अब वे सिफ़ारिश के बल पर कानून को अपने अनुकूल बना लेते है । कानून मुकदमे के ज़रिए गरीबों को परास्त करते हैं । यहीं इस कथन का मतलब है ।

5) धुँधली रोशनी में विशेषण शब्द कौन- सा है ?

उत्तर : धुँधली

6) गंगी अवसर की प्रतीक्षा में अब कहाँ है?

उत्तर : जगत की आड़ मैं

7) ' विद्रोही दिल ' में विशेषण शब्द कौन- सा है ?

उत्तर : विद्रोही |

8) गंगी का विद्रोही दिल किसके विरुद्ध चोटें करने लगा ?

उत्तर : गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मज़बूरियों के विरुद्ध चोटें करने लगा |

9) व्यक्ति कैसे महान बन जाता है ?

उत्तर : व्यक्ति अपने श्रेष्ठ कर्मों से महान बन जाता है

10) '' हम क्यों नीच है और ये लोग क्यों ऊंच है " - यहाँ किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत है ?

उत्तर : जातिप्रथा

11) गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी नहीं ले सकती थी | क्यों ?

उत्तर : गंगी निम्न जाति की होने के कारण ठाकुर के कुएँ से पानी नहीं ले सकती थी।

12) " गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा | यहाँ प्रस्तुत रिवाज़ी पाबंदी और मज़बूरी क्या- क्या हैं ?

उत्तर : जाति के नाम पर समाज में भेद- भाव था। निम्न कहे जानेवाले लोगों से छुआ पानी पीना, भोजन खाना, कुएँ से पानी भरना, रास्ते में उनसे मिलना आदि बातों में पाबंदी थी। निम्न वर्ग के लोग ये सब सहकर जीने के लिए विवश थे | उच्च वर्ग के लोगों के हितानुसार अपनी ज़िंदगी की प्राथमिकताओं का तय करने के लिए भी वे विवश थे।

13) उच्च कहे जाने वाले लोगों के विरुद्ध गंगी का तर्क क्या है ?

उत्तर : ये लोग ऊँचे क्यों हैं ? चोरी ये करें , जाल- फरेब ये करें, झूठे मुकदमे ये करें ।साहुजी मिलावट के सामान बेचते हैं | बारहों मास पंडित के घर में जुआ खेलते हैं | काम पर मजूरी नहीं देते हैं | गरीब नारियों को रसभरी आँखो से देखते है |

14) "हम क्यों नीच है और ये लोग क्यों ऊंच है । इसलिए कि ये गले में ताग डाल देते हैं" - इस विचार से गंगी का कौन सा दृष्टिकोण प्रकट होता है ?

उत्तर : गंगी के इस विचार से मालूम होता है कि वह ऊँच- नीच की भावनाओं को तोड़ना चाहती है । जातिगत भेद- भाव को तोड़कर एक मन से काम करने से ही सामाजिक उन्नति संभव है ।

15) "हम क्यों नीच है और ये लोग क्यों ऊँच है" ? - यहाँ किस समस्या की ओर संकेत हैं ?

( क) गरीबी ( ख) पारिवारिक समस्या ( ग) जाति प्रथा ( घ) अकाल

उत्तर: ( ग) जाति प्रथा

16) " इस कुएँ का पानी सारा गाँव पीता है । किसी कि लिए रोक नहीं, सिर्फ ये बदनसीब नहीं भर सकते" ।- गंगी क्यों इस प्रकार सोचती है?

( क) गंगी अनपढ़ है ( ख) पानी खराब है ( ग) कुआ दूर है ( घ) वे निम्न जाति के हैं ।

उत्तर: ( घ) वे निम्न जाति के हैं ।

17) गरीबों का दर्द कौन समझता है ? - यह किसने किससे कहा ?

उत्तर :जोखू ने गंगी से कहा |

18) आशय समझकर सही मिलान करें |

| | |
|---|---|
| गंगी पानी लेने के लिए | पर जल्दी पानी नहीं ले सकती थी। |
| गंगी कुएँ के पास पहुंची | कुएँ पर आ रहा था। |
| ठाकुर के दरवाज़े पर | असमानता के विरुद्ध विचार उठने लगे। |
| दीये का धुंधला प्रकाश | कुछ लोग बैठे थे। |
| गंगी के विद्रोही मन में | रात को निकल पड़ी। |

उत्तर:

| | |
|---|---|
| गंगी पानी लेने के लिए | रात को निकल पड़ी। |
| गंगी कुएँ के पास पहुंची | पर जल्दी पानी नहीं ले सकती थी। |
| ठाकुर के दरवाज़े पर | कुछ लोग बैठे थे। |
| दीये का धुंधला प्रकाश | कुएँ पर आ रहा था। |
| गंगी के विद्रोही मन में | असमानता के विरुद्ध विचार उठने लगे। |

# नवीन शब्दार्थ :

थका- माँदा - ക്ഷീണിച്ച

बेफिक्रे - ഒരു ചിന്തയുമില്ലാത്തവർ

बहादुरी - വീരത്വം

मौका - അവസരം

कानून - നിയമം

होशियारी - സാമർഥ്യം

थानेदार - **Police inspector.**

मुकदमा - കേസ്

रिश्वत - കൈക്കൂലി

अक्लमंदी –ബുദ്ധിസാമർഥ്യം

नकल –പകർപ്പ്

नाज़िर - സൂപ്പർവൈസർ,

मुहतमिम - മാനേജർ

कुप्पी = छोटा दीया , വിളക്ക്

धुँधली रोश्नी - മങ്ങിയ പ്രകാശം

इंतज़ार करना - प्रतीक्षा करना

जगत - कुएँ के ऊपर का चबूतरा

आड़ - മറവ്

रोक - തടസ്സം

नसीब - भाग्य

बदनसीब –भाग्यहीन

विद्रोही - വിപ്ലവകാരിയായ

हृदय - मन, दिल

विद्रोही दिल - വിപ്ലവകരമായ മനസ്സ്

रिवाज़ी पाबंदी - സാമ്പ്രദായികമായ നിയന്ത്രണങ്ങൾ

मजबूरियाँ - विवशताएँ

ताग - ചരട്

गला - കഴുത്ത്

छंटा - दुष्ट

भेड़ - ചെമ്മരിയാട്

जुआँ - പണംവെച്ചുള്ള ചൂതുകളി

तेल - എണ്ണ

मजूरी - കൂലി

नानी मरना - വളരെ ദുഃഖിതനാവുക

छाती पर साँप लोटना = മനസ്സ് പിടയുക, വളരെ വേദനയുണ്ടാവുക

घमंड - അഹങ്കാരം

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇